भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 463

गुरूवार, 6 फरवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

सतत विकास के लिए पर्यटन क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण

463 श्री रविचंद्र वद्दीराजू:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या तेलंगाना सहित देशभर में राष्ट्रीय पर्यटन नीतियों को, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे, कौशल और हितधारक भागीदारी के संबंध में, लागू करने में चुनौतियों की पहचान की गई है और उनका समाधान किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या तेलंगाना की अनूठी विशिष्टताओं सहित अविकसित ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए पहल की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसके क्या परिणाम रहे हैं; और

(ग) क्या देश भर में उपयोगकर्ता अनुभव और दक्षता बढ़ाने के लिए एआई और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और लाभ क्या हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ख): पर्यटन का संवर्धन एवं विकास मुख्यतः संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय ने तेलंगाना सहित देश में पर्यटन अवसंरचना, कौशल और हितधारक सहभागिता को प्राथमिकता देने के लिए निम्नलिखित पहलें की हैं:-

- पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक अपनी योजनाओं के तहत ग्रामीण और जनजातीय गंतव्यों सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदारीयुक्त गंतव्य के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया गया है।

- पर्यटन अनुभव को बेहतर बनाने और पर्यटन स्थलों को स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त स्थलों के रूप में परिवर्तित करने के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 योजना की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक एक उप-योजना के लिए दिशानिर्देश तैयार किए गए हैं। उपरोक्त योजना के तहत विकास के लिए 4 श्रेणियों अर्थात् (i) आध्यात्मिक पर्यटन, (ii) संस्कृति और विरासत, (iii) वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, (iv) इको-पर्यटन और अमृत धरोहर स्थल के अंतर्गत 42 गंतव्यों का चयन किया गया है।
- व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय की पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) नामक योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के विकास के लिए प्रचालानात्मक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इन दिशा-निर्देशों के अनुरूप भारत सरकार ने देशभर में 23 राज्यों में अल्प ज्ञात पर्यटन स्थलों के विकास के लिए 3295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है।
- पर्यटन मंत्रालय अपनी आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन एवं प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता भी प्रदान कर रहा है।
- पर्यटन मंत्रालय कार्यक्रमों, सोशल मीडिया और अभियानों सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से भारत में पर्यटन का संवर्धन करता है। ग्रामीण और जनजातीय सहित विषयगत पर्यटन को बढ़ावा दिया जाता है ताकि अन्य क्षेत्रों में भी पर्यटन के दायरे का विस्तार किया जा सके।
- पर्यटन मंत्रालय ने नवीकृत अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल (www.incredibleindia.gov.in) पर अतुल्य भारत कंटेंट हब की शुरूआत की है। अतुल्य भारत कंटेंट हब उच्च गुणवत्ता वाली छवियों, फ़िल्मों, ब्रोशर्स और समाचार-पत्रों का एक व्यापक डिजिटल भंडार है, जिसे दुनिया भर में औद्योगिक हितधारकों (ट्रैवल मीडिया, टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट) द्वारा आसानी से देखा जा सकता है और जो उनके विपणन एवं प्रचार संबंधी प्रयासों में अतुल्य भारत के संवर्धन हेतु आवश्यक है।
- पर्यटन मंत्रालय बेहतर मानक सेवाएं प्रदान करने के लिए जनशक्ति को प्रशिक्षित और उन्नत बनाने हेतु 'सेवाप्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण' (सीबीएसपी) योजना के तहत कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।
- पर्यटकों के समग्र अनुभव में वृद्धि करने के उद्देश्य से देशभर में पर्यटक स्थलों पर पर्याप्त संख्या में स्थानीय एवं प्रशिक्षित पेशेवर उपलब्ध कराने के लिए मंत्रालय ने अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाप्रदाता (आईआईटीएफ) प्रमाणन कार्यक्रम नामक एक अखिल भारतीय शिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की है।
- पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी नाम से एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल शुरू की है।
- देश में पर्यटन क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र के पर्यटन मंत्रियों के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। राज्यों/केन्द्रीय मंत्रालयों के अधिकारी/पर्यटन हितधारक भी इन बैठकों में भाग लेते हैं।
- हितधारकों से समय-समय पर अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं जिनका समुचित समाधान किया जाता है।

- देश में पर्यटन के विकास एवं संवर्धन के लिए अन्य केन्द्रीय मंत्रालयों के प्रतिनिधियों सहित हितधारकों से सुझाव/इनपुट प्राप्त करने के लिए समय-समय पर बैठकें/परामर्श सभाएं आयोजित की जाती हैं।

तेलंगाना राज्य में 'स्वदेश दर्शन', 'एसडी 2.0', 'एसएएससीआई', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है।

पिछले पांच वर्षों में मेलों/महोत्सवों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए तेलंगाना राज्य को प्रदान की गई वित्तीय सहायता **अनुबंध-II** में दी गई है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने अपना संशोधित अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म (www.incredibleindia.gov.in) लॉन्च किया है, ताकि इसे पर्यटक केंद्रित वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया जा सके, जो पर्यटकों को यात्रा की योजना बनाने से लेकर, बुकिंग करने, यात्रा करने और लौटने तक की उनकी पूरी यात्रा के दौरान जानकारी और सेवाएं प्रदान करेगा। अतुल्य भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म का विज़न विविधतापूर्ण भारत की समृद्ध संस्कृति, विरासत, शिल्प, महोत्सवों, व्यंजनों इत्यादि को प्रदर्शित करके पर्यटकों को आकर्षित करना है।

मंत्रालय द्वारा स्वीकृत अवसंरचना परियोजनाओं में लाइट एवं साउंड शो और व्याख्या केंद्र जैसे डिजिटल घटक भी शामिल हैं।

*****

अनुबंध-I

श्री रविचंद्र वद्दीराजू द्वारा सतत विकास के लिए पर्यटन क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण के संबंध में दिनांक 06.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 463 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

तेलंगाना राज्य के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	परिपथ	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1	इको परिपथ	2015-16	महबूबनगर जिले में इको पर्यटन परिपथ का विकास	91.62
2	जनजातीय परिपथ	2016-17	मुलुगु - लकनावरम - मेदावरम - तडवई - दमरवी - मल्लूर - बोगाथा झरनों का विकास	79.87
3	विरासत परिपथ	2017-18	कुतुब शाही हेरिटेज पार्क - पैगाह मकबरे - हयात बख्शी मस्जिद - रेमंड का मकबरा का विकास	96.90

तेलंगाना राज्य के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	गंतव्य	एक्सपीरियंस का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति की तिथि
1	भोंगीर	भोंगीर किला एक्सपीरियंशल जोन	56.81	29-02-2024
2	अनंतगिरि	अनंतगिरी वन में इको पर्यटन जोन	38.00	05-03-2024

तेलंगाना राज्य हेतु पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु में)	स्वीकृति की तिथि
1	रामप्पा में रामप्पा क्षेत्र स्थायी पर्यटन परिपथ	73.74	13-12-2024
2	नल्लामाला में सोमसिला निरोगता एवं आध्यात्मिक	68.10	13-12-2024

तेलंगाना राज्य के लिए प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)
1	जोगुलम्बा देवी मंदिर का विकास	2020-21	38.90
2	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00
3	भद्राचलम में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38

तेलंगाना राज्य के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

क्र. सं.	परियोजना का नाम	एजेंसी	स्वीकृति की तिथि	स्वीकृत राशि (लाख रु. में)
1	संजीवैया पार्क, हैदराबाद, तेलंगाना में वॉटर स्क्रीन और म्यूजिकल फाउंटेन सहित मल्टीमीडिया लेजर शो	बीईसीआईएल	31-10-2022	5000.04
2	उस्मानिया कला विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना में डिजिटल मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी और प्रकाश व्यवस्था की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और शुरूआत	बीईसीआईएल	22-12-2022	1179.93

*****

अनुबंध-II

श्री रविचंद्र वद्दीराजू द्वारा सतत विकास के लिए पर्यटन क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण के संबंध में दिनांक 06.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 463 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में **विवरण**

आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत सहायता प्राप्त मेलों और महोत्सवों तथा कार्यक्रमों की सूची निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**वर्ष**	**मेलों और महोत्सवों के नाम**	**स्वीकृत राशि (लाख रु में)**
1	2014-15	वारंगल में काकातीय महोत्सव	25.00
2	2014-15	हैदराबाद में गोलकुंडा महोत्सव	25.00
3	2017-18	हैदराबाद में तीसरा अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव और गोलकुंडा मास्टर्स गोल्फ चैम्पियनशिप	45.00
4	2018-19	बथुकम्मा महोत्सव	25.00
5	2018-19	चौथा अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव	25.00
6	2019-20	बथुकम्मा महोत्सव	25.00
7	2019-20	पतंग महोत्सव	25.00
8	2021-22	बथुकम्मा महोत्सव	25.00
9	2021-22	मुनुगु में मेदाराम जतारा	25.00

*****